Ved International Journal of Arts, Commerce and Technology (VIJACT)
© VIJACT |Vol.2, Issue 4, Apr 2026, pp. 35-44 | ISSN: 3139-1656 (Online)
DOI: https://doi.org/10.65785/vijact.v2i4.35
Available online at: https://vijact.com/

शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में समायोजन का अध्ययन

प्रीति सिंह [1] एवं डॉ० अनीता जायसवाल [2]

[1]असि०प्रोफेसर (शिक्षक शिक्षा विभाग), कुँ०आर०सी०महिला डिग्री कॉलेज, मैनपुरी
[2]असि०प्रोफेसर (शिक्षा प्रशिक्षण विभाग), ए०एन०डी०एन०एन०एम० महाविद्यालय, कानपुर

Article Info

Article history:

Received Apr 11, 2026

Accepted Apr 19, 2026

Published Apr 28, 2026

Keywords:

भावात्मक परिपक्वता

सामाजिक परिपक्वता

समायोजन

शिक्षक प्रशिक्षु

ABSTRACT

भारत एक तीव्र गति से विकसित होने वाला देश है, जहाँ शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है, फिर भी व्यक्तियों के समग्र विकास से संबंधित चुनौतियाँ विद्यमान है। शिक्षक प्रशिक्षु, भावी शिक्षकों के रूप में, समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता, शैक्षिक एवं व्यावसायिक जीवन में समायोजन के महत्वपूर्ण निर्धारक माने जाते हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में समायोजन का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन के लिए सरल यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुये कानपुर नगर एवं कानपुर देहात के बीएड संचालित (सहायताप्राप्त एवं वित्तविहीन) महाविद्यालयों का चयन किया गया। पुनः उक्त चयनित सहायताप्राप्त तथा वित्तविहीन महाविद्यालयों में अध्ययनरत समस्त बीएड शिक्षक प्रशिक्षुओं में से कुल 800 बीएड शिक्षक प्रशिक्षुओं का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि का प्रयोग करते हुए किया गया। आंकड़ों के संकलन हेतु डॉ.यशवीर सिंह और महेश भार्गव (2024) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत भावात्मक परिपक्वता पैमाना (इमोशनल मैच्योरिटी स्केल), डॉ० नलिनी राव (2023) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत सामाजिक परिपक्वता पैमाना (सोशल मैच्योरिटी स्केल), तथा शोधार्थिनी द्वारा स्वनिर्मित समायोजन पैमाना (एडजस्टमेंट स्केल) का प्रयोग किया गया है। संकलित आंकड़ों के विश्लेषण के लिये मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान प्रतिशत, एवं पियरसन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों में बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर मध्यम से उच्च तथा सामाजिक परिपक्वता का स्तर उच्च पाया गया जबकि समायोजन का स्तर औसत पाया गया। इसके अतिरिक्त भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध पाया गया।

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.

Corresponding Author:
प्रीति सिंह
Email: ps247239@gmail.com

1. परिचय

फर्नांडिस और डेविड (2016) के अनुसार भावनात्मक परिपक्वता वह योग्यता है जिसमें व्यक्ति अपनी भावनाओं को पहचानने उन पर नियंत्रण रखने और परिस्थितियों के अनुसार उन्हें व्यक्त करने की क्षमता रखता है। ली और उनके सहकर्मियों (2024) ने इसे आत्म-नियमन सहानुभूति और अंतर-व्यक्तिगत कौशलों से युक्त माना है, जो विशेषकर शिक्षक-प्रशिक्षुओं की पेशेवर दक्षता को बढ़ाते हैं। आत्म-

जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति, संयमित प्रतिक्रिया और जिम्मेदारी स्वीकारने की प्रवृत्ति इसकी प्रमुख विशेषताएँ मानी जाती हैं। भावात्मक रूप से परिपक्व शिक्षक-प्रशिक्षु न केवल अपनी व्यक्तिगत कठिनाइयों का संतुलित ढंग से सामना कर पाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों की भावनाओं को भी समझकर उन्हें संवेदनशील वातावरण उपलब्ध करा सकते हैं। आम तौर पर भावनात्मक परिपक्वता से परिपूर्ण व्यवहार का परिलक्षण हमें एक वयस्क द्वारा अपने युवा चरण की समाप्ति के बाद देखने को मिलता है। भावात्मक परिपक्वता के स्तर तक पहुंचने के बाद व्यक्ति अपने सामान्य रोज़मर्रा के जीवन में एक स्वस्थ् ,संतुलित तथा तर्कहीन व्यवहार प्रदर्शित करता। भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता व्यक्ति को वातावरण के साथ सफल समायोजन स्थापित करने में सहायता प्रदान करते है। हरलॉक (1950) के अनुसार सामाजिक विकास का अर्थ सामाजिक संबंधों में परिपक्वता प्राप्त करना है। अर्थात् समूह के मानको ,नैतिकताओं, परंपराओं, अंतर संचार एवं सहयोग की भावना से ओतप्रोत होने और सीखने की प्रक्रिया में संबद्ध हो जाना ही सामाजिक परिपक्वता के लक्षण हैं। व्यक्ति में सामाजिक कुशलताओं का विकास होना ही सामाजिक परिपक्वता कहलाता है। सामाजिक परिपक्वता का अर्थ है कि व्यक्ति समाज के नियमों, अपेक्षाओं और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में स्वयं को किस प्रकार समायोजित करता है और दूसरों के साथ कैसे सहयोगपूर्ण संबंध स्थापित करता है।

जब एक व्यक्ति भावात्मक तथा सामाजिक रूप से परिपक्व हो जाता है तो वह सफल समायोजन की ओर अग्रसर होता है। समायोजन जीवनपर्यंत निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।यह एक ऐसी संतुलन की प्रक्रिया है। जिसको प्राप्त कर लेने पर व्यक्ति सुसमायोजित कहलाता है। आइजैक और आर्नोल्ड(1960)के अनुसार, समायोजन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने सामाजिक पर्यावरण के साथ तारतम्यता पूर्ण सहसंबंध बनाकर आगे बढ़ने में सफल होता है। बोरिंग(1950) के अनुसार, समायोजन वह प्रक्रिया है है जिसके द्वारा एक जीवित प्राणी अपनी आवश्यकताओं और उसको प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों के मध्य एक संतुलन बनाकर रखने में सफल होते हैं। भावनात्मक, तथा सामाजिक परिपक्वता से युक्त व्यक्ति दूसरों के व्यवहार को समझते हुए नियंत्रण पूर्ण व्यवहार प्रदर्शित करता है और समायोजन स्थापित करता है।

2. संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

शिक्षक-प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व विकास में भावात्मक परिपक्वता, सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम माने जाते हैं। विभिन्न शोध परिणामों में यह पाया भी गया है कि शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम इन तीनों पहलुओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यथा- सिंह एवं शर्मा (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि बी.एड. प्रशिक्षुओं में भावात्मक संतुलन का स्तर मध्यम से उच्च होता है, जिसका मुख्य कारण प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाले व्यवहारिक अनुभव हैं। इसी प्रकार कौर (2020) ने यह निष्कर्ष निकाला कि समूह गतिविधियाँ, माइक्रो-टीचिंग तथा सहपाठी अंतःक्रिया भावात्मक नियंत्रण एवं आत्म-जागरूकता को विकसित करती हैं। वर्मा (2017) ने बताया कि शिक्षक-प्रशिक्षुओं में सामाजिक दक्षता का स्तर सामान्यतः उच्च पाया जाता है, क्योंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों से परिचित कराते हैं। गुप्ता एवं मिश्रा (2019) के अध्ययन में भी यह पाया गया कि विद्यालयी प्रशिक्षण और समूह कार्य सामाजिक अनुकूलन तथा सहयोगात्मक व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। शर्मा (2016) के अनुसार, शिक्षक-प्रशिक्षुओं का समायोजन स्तर प्रायः औसत होता है, क्योंकि वे एक साथ कई नई परिस्थितियों—जैसे शैक्षिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियाँ का सामना करते हैं। यादव एवं सिंह (2021) ने पाया कि समायोजन में व्यक्तिगत भिन्नताएँ अधिक होती हैं, जिससे समूह में विविधता देखी जाती है।

इसी प्रकार शिक्षक-प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व विकास में भावात्मक परिपक्वता, सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य पारस्परिक संबंध को अनेक शोधों में महत्वपूर्ण माना गया है। सामान्यतः विभिन्न सहसंबंधात्मक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि ये तीनों चर एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं और शिक्षक की प्रभावशीलता में योगदान देते हैं। भावात्मक परिपक्वता एवं समायोजन के संबंध में, शर्मा एवं सिंह (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन प्रशिक्षुओं में भावनात्मक स्थिरता एवं आत्म-नियंत्रण का स्तर अधिक होता है, वे विभिन्न

शैक्षिक एवं सामाजिक परिस्थितियों में बेहतर समायोजन प्रदर्शित करते हैं। कौर (2019) ने यह निष्कर्ष निकाला कि भावात्मक रूप से परिपक्व विद्यार्थी तनावपूर्ण परिस्थितियों में संतुलित प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे उनका समायोजन स्तर उच्च होता है। सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन के संदर्भ में, गुप्ता एवं वर्मा (2020) ने पाया कि सामाजिक रूप से परिपक्व शिक्षक-प्रशिक्षु अपने परिवेश—जैसे विद्यालय, सहपाठी समूह एवं परिवार—में अधिक प्रभावी ढंग से समायोजन स्थापित करते हैं। यादव (2021) के अध्ययन यह स्पष्ट करते हैं कि सामाजिक कौशल, सहयोगात्मक व्यवहार तथा संचार क्षमता, समायोजन को सुदृढ़ बनाते हैं। मिश्रा एवं पांडेय (2017) के अनुसार, भावात्मक संतुलन व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करता है, जिससे उसकी सामाजिक परिपक्वता विकसित होती है। सिंह (2016) ने अपने अध्ययन में पाया कि भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता में सकारात्मक सहसंबंध है, परंतु सहसंबंध का स्तर निम्न है, क्योंकि सामाजिक परिपक्वता पर अन्य कारकों जैसे- पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक अनुभव का भी प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त शोध अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि भावात्मक परिपक्वता, सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध विद्यमान है। अतः यह स्पष्ट है कि उक्त तीनों चर मिलकर शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इन तीनों आयामों के विकास हेतु समुचित अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

3. शोध का औचित्य

भावात्मक और सामाजिक परिपक्वता का समायोजन शिक्षक-प्रशिक्षुओं को सुसमायोजित व्यक्ति बनाता है। एक समायोजित शिक्षक अपने कक्षा-कक्ष को केवल ज्ञान का केंद्र नहीं बल्कि सहयोग, सहानुभूति और नैतिक मूल्यों का वातावरण बना देता है। यह वातावरण विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक-प्रशिक्षुओं की सामाजिक और भावनात्मक परिपक्वता का अध्ययन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अनिवार्य है। शिक्षक-प्रशिक्षु भविष्य के शिक्षक होते हैं। वे शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययन करते हुए वह सब कुछ सीख रहे होते हैं जो आगे चलकर उन्हें विद्यार्थियों तक पहुँचाना है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण के दौरान ही उनके भीतर सामाजिक और भावनात्मक परिपक्वता विकसित हो। जिससे भविष्य में वे अपने शिक्षण कार्य को सफलतापूर्वक कर पाने में सक्षम होंगे। (ली, किम, एवं पार्क, 2024) प्रशिक्षण संस्थान उन्हें वह सामाजिक परिवेश प्रदान करते हैं जहाँ शिक्षक-प्रशिक्षु अपने साथियों, अध्यापकों और अन्य सदस्यों के साथ बातचीत और सहयोग के माध्यम से सामाजिक परिपक्वता का अनुभव करते हैं। इसी दौरान वे अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना भी सीखते हैं। (फर्नांडिस एवं डेविड, 2016)

अतः इस शोध का औचित्य इस तथ्य पर आधारित है कि भावात्मक और सामाजिक परिपक्वता शिक्षक-प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व विकास, उनके समायोजन और शिक्षण प्रभावशीलता के लिए अनिवार्य है। अध्ययन के निष्कर्ष प्रशिक्षण संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में आवश्यक परिवर्तन और सुधार करने में मदद करेंगे। साथ ही यह शोध शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समग्र विकास में सहायक होगा, जिससे वे भावी पीढ़ी को संवेदनशील, जिम्मेदार और समायोजित नागरिक बनाने में अपनी भूमिका प्रभावी रूप से निभा सकें। (आइजैक एवं आर्नोल्ड, 1960) इसके अतिरिक्त विभिन्न शोध अध्ययनों के अवलोकनों से यह ज्ञात हुआ कि उत्तर प्रदेश राज्य में उक्त चरों पर विभिन्न शोध कार्य संपन्न हुए हैं। लेकिन शिक्षक प्रशिक्षुओं पर उक्त तीनो चरों के सन्दर्भ से सम्बंधित कोई शोध अध्ययन प्राप्त नहीं हुआ। इसीलिए शोध हेतु इस समस्या का चयन किया गया- " शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में समायोजन का अध्ययन"

3. अध्ययन में प्रयुक्त चरों की संक्रियात्मक परिभाषा

शिक्षक प्रशिक्षु: प्रस्तुत शोध में शिक्षक प्रशिक्षुओं से अभिप्राय छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर उत्तर प्रदेश से अभिसम्बद्धता प्राप्त स्ववित्तपोषित एवं सरकारी सहायताप्राप्त महाविद्यालयों में संचालित बी०एड० पाठ्यक्रमों (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त) में प्रशिक्षणरत छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं से है।

भावात्मक परिपक्वता: भावात्मक परिपक्वता को परिस्थितियों के प्रति उचित प्रतिक्रिया देने, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने और दूसरों के साथ परिपक्व ढंग से संवाद करने के रूप में परिभाषित किया जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में भावात्मक परिपक्वता के स्तर का मापन बी०एड० महाविद्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक प्रशिक्षुओं के सन्दर्भ में किया गया है। तथा भावात्मक परिपक्वता चर को विभिन्न आयामों यथा संवेगिक स्थिरता, संवेगिक प्रगति ,सामाजिक समायोजन आदि के सन्दर्भ में मापित किया गया है।

सामाजिक परिपक्वता: गैरेट (1956) सामाजिक परिपक्वता का तात्पर्य है कि व्यक्ति अपने व्यवहार को समाज के मानदंडों, परंपराओं और अपेक्षाओं के अनुरूप ढाल सके और सामूहिक जीवन में सफल भागीदारी कर सके।सामाजिक परिपक्वता वह क्षमता है जिसमें व्यक्ति समाज के नियमों, मूल्यों और परंपराओं का सम्मान करते हुए उचित व्यवहार करता। प्रस्तुत शोध अध्ययन में सामाजिक परिपक्वता के स्तर का मापन बी०एड० महाविद्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक प्रशिक्षुओं के सन्दर्भ में किया गया है एवं सामाजिक परिपक्वता चर को विभिन्न आयामों (व्यक्तिगत पर्याप्तता, अन्तर्वैयक्तिक पर्याप्तता, सामाजिक पर्याप्तता आदि) के सन्दर्भ में लिया गया है।

समायोजन: समायोजन केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं होता बल्कि यह मानसिक और भावात्मक स्तर पर भी संतुलन की मांग करता है। समायोजित व्यक्ति कठिनाइयों का धैर्यपूर्वक सामना करता है, रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखता है और अपनी असफलताओं से सीखता है। सफल समायोजन से व्यक्तित्व का विकास होता है और व्यक्ति जीवन में संतुष्टि तथा शांति प्राप्त करता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में समायोजन का स्तर बी०एड० महाविद्यालयों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं के सन्दर्भ में मापा गया है तथा समायोजन चर को विभिन्न विमाओं यथा भावात्मक समायोजन, मानसिक समायोजन, शैक्षिक समायोजन तथा सामाजिक समायोजन के रूप में मापित किया गया है।

4. शोध उद्देश्य

1- शिक्षक प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता के स्तर का अध्ययन करना।

2- शिक्षक प्रशिक्षुओं में सामाजिक परिपक्वता के स्तर का अध्ययन करना।

3- शिक्षक प्रशिक्षुओं में समायोजन के स्तर का अध्ययन करना।

4- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

5- शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

6- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

5. शोध परिकल्पनाएँ

H_1- शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की भावात्मक परिपक्वता पायी जाती है।

H_2— शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की सामाजिक परिपक्वता पायी जाती है।

H_3— शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर का समायोजन पाया जाता है।

H_{o4}- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o5}- शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o6}- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

6. जनसँख्या एवं प्रतिदर्श

उक्त शोध अध्ययन हेतु जनसँख्या के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से संबद्ध महाविद्यालयों (कानपुर नगर एवं कानपुर देहात जिले के) के सत्र 2024-26 एवं 2025-27 में अध्ययनरत बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं को लिया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन के लिए सरल यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुये कानपुर नगर एवं कानपुर देहात के बीएड संचालित 89 (सहायताप्राप्त एवं वित्तविहीन) महाविद्यालयों में से 29 महाविद्यालयों का चयन किया गया। पुनः उक्त चयनित सहायताप्राप्त तथा

वित्तविहीन महाविद्यालयों में अध्ययनरत समस्त बीएड शिक्षक प्रशिक्षुओं में से कुल 800 बीएड शिक्षक प्रशिक्षुओं का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि का प्रयोग करते हुए किया गया।

7. उपकरण

- डॉ.यशवीर सिंह और महेश भार्गव (2024) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत भावात्मक परिपक्वता पैमाना (इमोशनल मैच्योरिटी स्केल)।
- डॉ० नलिनी राव (2023) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत सामाजिक परिपक्वता पैमाना (सोशल मैच्योरिटी स्केल)।
- शोधकर्ती द्वारा स्वनिर्मित समायोजन पैमाना (एडजस्टमेंट स्केल)।

8. प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां

प्रस्तुत शोध में आंकड़ो के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान प्रतिशत, एवं पियरसन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। समस्त सांख्यिकीय गणनाएँ एवं आँकड़ों का विश्लेषण Microsoft Excel सॉफ्टवेयर की सहायता से किया गया है।

9. परिकल्पनाओं का परीक्षण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1- शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की भावात्मक परिपक्वता पायी जाती है

तालिका 1: शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमान, मध्यमान प्रतिशत,एवं मानक विचलन

चर	प्रतिदर्श का आकार	मध्यमान	मध्यमान प्रतिशत	मानक विचलन
भावात्मक परिपक्वता	800	162.69	67.78%	32.99

आंकड़ों की व्याख्या

उक्त तालिका:1 से स्पष्ट है कि कुल 800 बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान 162.69 तथा मध्यमान प्रतिशत 67.78% है। जो यह दर्शाता है कि शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर मध्यम से उच्च श्रेणी का है। मानक विचलन (SD = 32.99) यह संकेत करता है कि बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों में मध्यम स्तर की विविधता है।

निष्कर्ष

तालिका:1 के आंकड़ों से स्पष्ट है कि परिकल्पना 1- 'शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की भावात्मक परिपक्वता पायी जाती है' को स्वीकृत किया जाता है ,क्योकि बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर मध्यम से उच्च श्रेणी का प्राप्त हुआ है।

परिकल्पना 2- शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की सामाजिक परिपक्वता पायी जाती है।

तालिका 2: शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमान, मध्यमान प्रतिशत,एवं मानक विचलन

चर	प्रतिदर्श का आकार	मध्यमान	मध्यमान प्रतिशत	मानक विचलन
सामाजिक परिपक्वता	800	254.92	70.81%	50.62

आँकड़ो की व्याख्या

उक्त तालिका 2: से स्पष्ट है की वर्तमान अध्ययन में 800 बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान 254.92 तथा मध्यमान प्रतिशत 70.81% है। जिससे यह स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक-प्रशिक्षुओं में सामाजिक परिपक्वता का स्तर उच्च श्रेणी का है। मानक विचलन (SD = 50.62) अपेक्षाकृत अधिक है, जो यह दर्शाता है कि विद्यार्थियों के स्कोर में पर्याप्त विविधता है, अर्थात् कुछ प्रशिक्षुओं का सामाजिक परिपक्वता स्तर बहुत उच्च है, जबकि कुछ का स्तर अपेक्षाकृत निम्न भी है।

निष्कर्ष

तालिका 2: में दर्शित आंकड़ों से स्पष्ट है कि परिकल्पना 2- "शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर की सामाजिक परिपक्वता पायी जाती है" को स्वीकृत किया जाता है। क्योंकि बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं में सामाजिक परिपक्वता का स्तर उच्च पाया गया है।

परिकल्पना 3- शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर का समायोजन पाया जाता है

तालिका 3: शिक्षक प्रशिक्षुओं के समायोजन स्तर संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमान,मध्यमान प्रतिशत, मानक विचलन

चर	प्रतिदर्श का आकार	मध्यमान	मध्यमानप्रतिशत	मानक विचलन
समायोजन	800	113.03	62.79%	34.88

आंकड़ों की व्याख्या

तालिका 3: के आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि अध्ययन में 800 बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समायोजन संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान 113.03, मध्यमान प्रतिशत 62.79% है। जो यह दर्शाता है कि बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षुओं में समायोजन का स्तर औसत श्रेणी का है। मानक विचलन 34.88 जो कि बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समायोजन स्तर में मध्यम स्तर की विविधता को दर्शा रहा है। अर्थात अधिकांश प्रशिक्षु औसत स्तर के आसपास हैं, लेकिन कुछ का समायोजन स्तर उच्च तथा कुछ का स्तर निम्न भी है

निष्कर्ष

तालिका 3: के आँकड़े यह दर्शा रहे हैं कि बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षुओं में समायोजन औसत स्तर का है। अतः परिकल्पना 3- "शिक्षक प्रशिक्षुओं में उच्च स्तर का समायोजन पाया जाता है" को अस्वीकृत किया जाता है।

सहसंबंध का विश्लेषण

Ho4- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

तालिका 4: शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सहसंबंध

क्रम संख्या	चर	प्रतिदर्श का आकार	स्वातंत्र्य मात्रा (df)	सहसंबंध गुणांक (r)
1	भावात्मक परिपक्वता	800	798	0.44
2	समायोजन	800		

आंकड़ों का विवरण

तालिका 4: से स्पष्ट है कि बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 1600 है, जिसमे भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता स्तर क्रमशः 800 तथा 800 बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की प्राप्त की गयी स्वातंत्र्य मात्रा (df) का मान 798 तथा सहसंबंध गुणांक (r) का मान 0.44 है, जो कि उक्त दोनों चरों के मध्य सकारात्मक सहसंबंध को दर्शाता है। इसका अर्थ है कि जिन विद्यार्थियों की भावात्मक परिपक्वता अधिक होती है, उनका समायोजन स्तर भी अपेक्षाकृत बेहतर होता है।

व्याख्या-

तालिका 4: से स्पष्ट है कि परिगणित सहसंबंध गुणांक का मान (0.72) 0.01 स्तर की सार्थकता पर सारणी मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना (Ho)4- "शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है" को अस्वीकृत किया जाता है। अर्थात बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य सकारात्मक सार्थक सहसम्बन्ध है।

शून्य परिकल्पना (Ho)5- शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

तालिका 5: शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सहसंबंध

क्रम संख्या	चर	प्रतिदर्श का आकार	स्वातंत्र्य मात्रा (df)	सहसंबंध गुणांक (r)
1	सामाजिक परिपक्वता	800	798	0.72
2	समायोजन परिपक्वता	800		

आंकड़ों का विवरण

तालिका 5: से स्पष्ट है कि अध्ययन में कुल 1600 बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं को सम्मिलित किया गया, जिनमें सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन हेतु क्रमशः 800 एवं 800 बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं का प्रतिदर्श लिया गया। सहसंबंध के विश्लेषण हेतु स्वातंत्र्य मात्रा (df) 798 है, तथा दोनों चरों के मध्य सह-संबंध गुणांक (r) का मान 0.72 पाया गया, जो धनात्मक दिशा में संबंध को इंगित करता है। अर्थात जिन शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता अधिक होती है, उनका समायोजन स्तर भी उच्च होता है।

व्याख्या

तालिका 5: के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक (r = 0.72) 0.01 स्तर की सार्थकता पर सारणी मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना (Ho)5 "शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है" को अस्वीकार किया जाता है।

Ho6- शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

तालिका 6:शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता स्तर के मध्य सहसंबंध

क्रम संख्या	चर	प्रतिदर्श का आकार	स्वातंत्र्य मात्रा (df)	सहसंबंध गुणांक (r)
1	भावात्मक परिपक्वता	800	798	0.19
2	सामाजिक परिपक्वता	800		

आंकड़ों का विवरण

प्रस्तुत तालिका 6: के अनुसार अध्ययन में कुल 1600 बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं को सम्मिलित किया गया, जिनमें भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता चर के मापन हेतु क्रमशः 800 एवं 800 बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं का प्रतिदर्श लिया गया। सह-संबंध के विश्लेषण हेतु स्वातंत्र्य मात्रा (df) 798 प्राप्त हुई, तथा दोनों चरों के मध्य सह-संबंध गुणांक (r) का मान 0.19 पाया गया, जो धनात्मक सहसंबंध को दर्शा रहा है।

व्याख्या

तालिका 6: के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि प्राप्त सह-संबंध गुणांक (r = 0.19) 0.01 स्तर की सार्थकता पर सारणी मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना (Ho)6 "शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा सामाजिक परिपक्वता स्तर के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है" को अस्वीकार किया जाता है। अतः यह स्पष्ट है कि बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से धनात्मक सार्थक सहसंबंध विद्यमान है।

10. प्राप्त शोध निष्कर्षों की विवेचना

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट है कि बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर मध्यम से उच्च एवं सामाजिक परिपक्वता का स्तर उच्च है जबकि समायोजन का स्तर औसत है। इसके अतिरिक्त भावात्मक एवं सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन

के बीच उच्च धनात्मक सहसंबंध पाया गया। उक्त निष्कर्षों के सम्बन्ध में सम्बंधित साहित्य के सर्वेक्षण से यह दर्शित हो रहा है कि प्रस्तुत अध्ययन के उक्त निष्कर्ष पूर्व में हुए विभिन्न शोध निष्कर्षो से साम्यता प्रकट कर रहे हैं यथा- सिंह एवं शर्मा (2018) के अध्ययन में यह पाया गया कि बी.एड. प्रशिक्षुओं में भावात्मक संतुलन का स्तर मध्यम से उच्च होता है, जिसका प्रमुख कारण प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त होने वाले व्यवहारिक अनुभव हैं। कौर (2020) के शोध परिणामों में भावात्मक परिपक्वता का स्तर उच्च पाया गया तथा यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि समूह गतिविधियाँ, माइक्रो-टीचिंग तथा सहपाठी अंतःक्रिया प्रशिक्षुओं की भावात्मक नियंत्रण क्षमता एवं आत्म-जागरूकता को विकसित करती हैं। इसी प्रकार वर्मा (2017) ने अपने अध्ययन में पाया कि शिक्षक-प्रशिक्षुओं में सामाजिक दक्षता सामान्यतः उच्च होती है, क्योंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराते हैं। गुप्ता एवं मिश्रा (2019) के शोध निष्कर्ष यह स्पष्ट करते हैं कि विद्यालयी प्रशिक्षण तथा समूह कार्य सामाजिक अनुकूलन एवं सहयोगात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं। इसके अतिरिक्त शर्मा (2016) के अनुसार, शिक्षक-प्रशिक्षुओं का समायोजन स्तर सामान्यतः औसत होता है, क्योंकि वे एक साथ कई नई परिस्थितियों जैसे शैक्षिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ तथा व्यावसायिक जिम्मेदारियों का सामना करते हैं।

प्रस्तुत शोध के निष्कर्षों के अंतर्गत भावात्मक एवं सामाजिक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य प्राप्त सहसंबंध का भी विभिन्न शोध परिणाम समर्थन करते हैं। शर्मा एवं सिंह (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन प्रशिक्षुओं में भावनात्मक स्थिरता एवं आत्म-नियंत्रण का स्तर अधिक होता है, वे विभिन्न शैक्षिक एवं सामाजिक परिस्थितियों में बेहतर समायोजन प्रदर्शित करते हैं। , गुप्ता एवं वर्मा (2020) ने अपने शोध में सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया। यादव (2021) के अध्ययन यह स्पष्ट करते हैं कि सामाजिक कौशल, सहयोगात्मक व्यवहार तथा संचार क्षमता, समायोजन को सुदृढ़ बनाते हैं। मिश्रा एवं पांडेय (2017) के अनुसार, भावात्मक संतुलन व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करता है, जिससे उसकी सामाजिक परिपक्वता विकसित होती है। सिंह (2016) ने अपने अध्ययन में पाया कि भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता में सकारात्मक सहसंबंध है, परंतु सहसंबंध का स्तर निम्न है, क्योंकि सामाजिक परिपक्वता पर अन्य कारकों जैसे- पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक अनुभव का भी प्रभाव पड़ता है।

समग्र निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट है कि बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर उच्च है। यह संभवतः शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में करायी जाने वाली गतिविधियों जैसे- समूह कार्य, कक्षा शिक्षण अभ्यास, तथा सामाजिक अंतःक्रियाओं के कारण विकसित होता है, जो भावनात्मक संतुलन एवं आत्म-नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। हालांकि, कुछ स्तर तक विविधता का पाया जाना यह दर्शाता है कि सभी प्रशिक्षु समान रूप से भावात्मक रूप से परिपक्व नहीं हैं। यह अंतर व्यक्तिगत अनुभव, पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक वातावरण तथा व्यक्तित्व के कारण हो सकता है। अतः यह आवश्यक है कि शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भावात्मक विकास से संबंधित गतिविधियों, जैसे—काउंसलिंग, जीवन कौशल शिक्षा तथा तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों और अधिक बढ़ावा दिया जाए एवं सुदृढ़ किया जाए, जिससे सभी प्रशिक्षु उच्च स्तर की भावात्मक परिपक्वता प्राप्त कर सकने में सक्षम हो सकें। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हैं कि बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं में सामाजिक परिपक्वता का स्तर उच्च है। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सम्मिलित समूह गतिविधियाँ, प्रैक्टिकल कार्य, तथा विद्यालयी अनुभव हो सकते हैं, जो सामाजिक कौशल के विकास में सहायक होते हैं। इसके अतिरिक्त बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं में समायोजन का स्तर औसत श्रेणी का पाया गया, अतः इससे यह स्पष्ट होता है कि इसमें और सुधार की आवश्यकता है। शिक्षक-प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक तथा भावनात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका समायोजन स्तर प्रभावित होता है। समायोजन का स्तर भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता से भी जुड़ा होता है। प्रस्तुत अध्ययन में भावात्मक एवं सामाजिक परिपक्वता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया है, परन्तु समायोजन स्तर उसके अनुरूप उच्च स्तर का नहीं है। अतः आवश्यक है कि शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समायोजन कौशल को बढ़ाने हेतु जीवन कौशल शिक्षा, परामर्श, तनाव प्रबंधन, तथा समूह गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। अध्ययन में बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता तथा समायोजन के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। जो यह इंगित करता है कि भावात्मक परिपक्वता का स्तर बढने पर

समायोजन की क्षमता भी बढ़ती जाती है। भावनात्मक रूप से परिपक्व शिक्षक प्रशिक्षु अपने व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक वातावरण में बेहतर समायोजन करने में सक्षम होते हैं। दूसरी ओर, जिन प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता का स्तर कम होता है, वे विभिन्न परिस्थितियों में समायोजन करने में अपेक्षाकृत कठिनाई अनुभव कर सकते हैं। अतः यह अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भावात्मक परिपक्वता के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे शिक्षक प्रशिक्षु समायोजन स्तर को प्राप्त कर सकने में सक्षम हो सकें।

इसके अतिरिक्त अध्ययन के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि बी०एड० शिक्षक प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से उच्च धनात्मक सार्थक सहसंबंध विद्यमान है। अतः स्पष्ट है कि सामाजिक रूप से परिपक्व शिक्षक प्रशिक्षु अपने सामाजिक परिवेश, जैसे विद्यालय, परिवार एवं समाज में, अधिक प्रभावी ढंग से समायोजन स्थापित करने में सक्षम होते हैं। वहीं भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य भी सार्थक एवं सकारात्मक सहसंबंध पाया गया जो यह दर्शित करता है की जिन शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावनात्मक संतुलन, आत्म-नियंत्रण, सहनशीलता तथा अपनी भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता अधिक होती है, वे सामाजिक परिस्थितियों में भी अधिक परिपक्व व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। ऐसे प्रशिक्षु दूसरों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करते हैं, समूह में सहयोगात्मक भूमिका निभाते हैं तथा सामाजिक नियमों और मूल्यों का पालन करता है। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि भावात्मक परिपक्वता, सामाजिक परिपक्वता के विकास में सहायक होती है और दोनों मिलकर शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समग्र व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

References

[1]. बोरिंग, ई. जी. (1950). *साइकोलॉजी: ए फैक्चुअल टेक्स्टबुक*. वाइली प्रकाशन।

[2]. हरलॉक, ई. बी. (1950). *डेवलपमेंटल साइकोलॉजी: ए लाइफ-स्पैन अप्रोच*. मैकग्रा-हिल।

[3]. गैरेट, एच. ई. (1956). *स्टैटिस्टिक्स इन साइकोलॉजी एंड एजुकेशन*. लॉन्गमैन्स, ग्रीन एंड कंपनी।

[4]. आइजैक, एस., एवं आर्नोल्ड, सी. (1960). *एडजस्टमेंट साइकोलॉजी एंड ह्यूमन बिहेवियर*. हार्पर एंड रो

[5]. खान. (2012). *स्टडी ऑफ रिलेशनशिप बिटवीन सोशल मैच्योरिटी एंड एडजस्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट स्कूल स्टूडेंट्स*. अप्रकाशित शोध प्रबंध, दिल्ली।

[6]. शाह, एवं शर्मा. (2012). ए स्टडी ऑफ सोशल मैच्योरिटी, स्कूल एडजस्टमेंट एंड एकेडमिक अचीवमेंट अमंग रेजिडेंशियल स्कूल गर्ल्स। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 7*(1), 56–63।

[7]. सदेघी, एवं निकनाम. (2015). द रिलेशनशिप बिटवीन कोपिंग स्किल्स विथ सोशल मैच्योरिटी एंड एडजस्टमेंट ऑफ फीमेल फर्स्ट ग्रेडर्स इन हाई स्कूल: ए केस स्टडी इन ईरान। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड एजुकेशन रिसर्च, 3*(2), 115–124।

[8]. सिंह, पी. (2016). सामाजिक एवं भावात्मक परिपक्वता का अध्ययन। *एजुकेशनल रिव्यू, 8*(1), 35–42।

[9]. शर्मा, आर. (2016). शिक्षक-प्रशिक्षुओं की समायोजन समस्याएँ। *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 5*(3), 21–28।

[10]. फर्नांडिस, आर., एवं डेविड, एस. (2016). शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता एवं उसके शैक्षिक निहितार्थ। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी स्टडीज़, 8*(2), 45–52।

[11]. मिश्रा, के., एवं पांडेय, आर. (2017). भावात्मक एवं सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन। *मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पत्रिका, 6*(1), 40–46।

[12]. वर्मा, एस. (2017). बी.एड. विद्यार्थियों की सामाजिक दक्षता एवं परिपक्वता। *एजुकेशनल रिव्यू, 9*(1), 60–66।

[13]. सिंह, ए., एवं शर्मा, एम. (2018). भावी शिक्षकों में भावात्मक परिपक्वता का अध्ययन। *जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 10*(2), 55–62।

[14]. शर्मा, आर., एवं सिंह, ए. (2018). शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता एवं समायोजन का संबंध। *शिक्षा मनोविज्ञान जर्नल, 12*(2), 60–67।

[15]. सिंह, जगदीश. (2018). *स्टडी ऑफ एडोलसेंट एडजस्टमेंट इन रिलेशन टू देयर सोशल मैच्योरिटी*. अप्रकाशित शोध प्रबंध, पठानकोट।

[16]. कोटेश्वर राव, बी., एवं सुनीला, एम. ए. (2019). इम्पैक्ट ऑफ इमोशनल मैच्योरिटी एंड सोशल मैच्योरिटी ऑन स्कूल एडजस्टमेंट। अप्रकाशित शोध प्रबंध, आंध्र प्रदेश।

[17]. गुप्ता, आर., एवं मिश्रा, एस. (2019). शिक्षक-प्रशिक्षुओं में सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी, 7*(2), 45–52।

[18]. कौर, पी. (2019). भावात्मक परिपक्वता एवं समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन। *अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जर्नल, 10*(1), 25–31।

[19]. कौर, पी. (2020). शिक्षक-प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं शिक्षण अभ्यास के संदर्भ में अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 12*(1), 33–40।

[20]. गुप्ता, आर., एवं वर्मा, एस. (2020). शिक्षक-प्रशिक्षुओं की सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन का अध्ययन। *भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 9*(2), 50–58।

[21]. यादव, के., एवं सिंह, पी. (2021). शिक्षक-प्रशिक्षुओं के समायोजन प्रतिरूपों का अध्ययन। *जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च, 14*(2), 75–82।

[22]. यादव, के. (2021). सामाजिक परिपक्वता एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 13*(2), 70–76।

[23]. राव, एन. (2023). *सामाजिक परिपक्वता पैमाना (निर्मित एवं मानकीकृत)*।

[24]. ली, जे., किम, एच., एवं पार्क, एस. (2024). शिक्षक-प्रशिक्षुओं में भावात्मक परिपक्वता, सहानुभूति एवं व्यावसायिक दक्षता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 15*(1), 22–37।

[25]. सिंह, एवं भार्गव. (2024). *भावनात्मक परिपक्वता पैमाना*. आगरा साइकोलॉजिकल पब्लिकेशन्स।

Cite this Article:

प्रीति सिंह एवं डॉ० अनीता जायसवाल,"शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावात्मक परिपक्वता एवं सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में समायोजन का अध्ययन", *Ved International Journal of Arts, Commerce and Technology (VIJACT), ISSN: 3139-1656 (Online), Volume 2, Issue 2, pp. 35-44, February 2026.*

Journal URL: https://vijact.com

DOI: *https://doi.org/10.65785/vijact.v2i2.35*